रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 101 इंदौर, बुधवार 19 मार्च 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

पारंपरिक गेर आज

गेर देखने के लिए छतों पर बुकिंग

रंजीत टाइम्स » आदित्य शर्मा

सलाहकार संपादक

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में रंगपंचमी पर होने वाली विश्वप्रसिद्ध पारंपरिक गेर आज निकलेगी। यह गेर लगभग 3 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव, एनआरआई सहित लाखों लोग शामिल होंगे। गेर के दौरान लाखों लीटर पानी और हजारों किलो गुलाल-रंग लोगों पर उड़ाए जाएंगे। नाच-गाने के लिए डीजे भी मौजूद रहेंगे। इस बार तीन गेर और एक फाग यात्रा निकाली जाएगी। इसमें राधा-कृष्ण फाग यात्रा, मॉरल क्लब गेर, संगम कॉर्नर गेर, टोरी कॉर्नर गेर होगी। 370 लोगों ने गेर देखने के लिए छतों पर बुकिंग करवाई है।

राजवाड़ा को ढक दिया गया है ताकि रंगों के कारण वह खराब न हो जाए। आयोजकों से लेकर प्रशासन तक, सभी ने गेर की तैयारियों को पूरी तरह से शुरू कर दिया है। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए एरिया को सेक्टरों में बांट दिया है। इंदौर की गेर को यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन में शामिल नहीं किया जाएगा। यूनेस्को हर साल एक आयोजन को धरोहर के रूप में शामिल करता है। इंदौर की गेर को इसमें शामिल करने के प्रयास पिछले कई सालों से किए जा रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार का कहना है कि इंदौर में 75 सालों से निकल रही गेर अभी तक राष्ट्रीय धरोहर के रूप में चिन्हित नहीं हुई है, ऐसे में यूनेस्को में शामिल होना तो बहुत दूर की बात है। इंदौर की गेर में हर साल लगभग 7 लाख लोग देशभर से आते हैं।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह

ने बताया कि गेर के पूरे रूट में 100 से 200 मीटर के सेक्टर बनाए जा रहे हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। साथ ही आकस्मिक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। इमरजेंसी एग्जिट रूट भी बनाए जा रहे हैं। हाइराइज की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है।

कलेक्टर आशीष सिंह

ने बताया कि गेर के लिए सभी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। गेर मार्ग पर आइडेंटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंच लगाने, वॉच टावर बनाने और सीसीटीवी कैमरे लगाने की जगह भी निर्धारित की जा चुकी है। गलियों में बीच-बीच में एग्जिट रूट बनाए गए हैं।

» राधा-कृष्ण फाग यात्रा: करीब 10 हजार किलो गुलाल, 8 हजार लीटर पानी का उपयोग किया जाएगा।

» मॉरल क्लब गेर: 30 हजार लीटर पानी का टैंकर, ट्रैक्टर-ट्रालियों में कुल 50 हजार लीटर पानी, 7 हजार किलो गुलाल, 10 किलो पक्का रंग उपयोग किया जाएगा।

» संगम कॉर्नर गेर: 1 लाख 20 हजार लीटर पानी, 8 हजार किलो गुलाल, 20 किलो रंग, 2 हजार किलो फूल का उपयोग किया जाएगा।

» टोरी कॉर्नर गेर: 300 बोरी गुलाल, 60 हजार लीटर पानी का उपयोग किया जाएगा।

500 से ज्यादा सफाई मित्र तैनात रहेंगे

गेर के बाद सफाई व्यवस्था के लिए भी पूरी तैयारी की गई है। 500 से ज्यादा कर्मचारी और संसाधन एक साथ काम करेंगे और रिकॉर्ड समय में गेर मार्ग को साफ करेंगे। इस बार के भी फोटो-वीडियो यूनेस्को को भेजे जाएंगे। भारत सरकार से भी निवेदन किया गया है कि वे यूनेस्को को पत्र भेजे और उनकी विजिट कराए। इंदौर की विशिष्ट पहचान राजवाड़ा को ढकने का काम पूरा कर लिया गया है। इसके ऊपर बड़ा पीला प्लास्टिक लगा दिया गया है ताकि रंगों से इसे कोई नुकसान न पहुंचे। इसके साथ ही गोराकुंड और सराफा क्षेत्र की बिल्डिंगों को भी बड़े प्लास्टिक से ढक दिया गया है।

मुख्यमंत्री और एनआरआई भी होंगे शामिल

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि गेर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह से सुसंगत किया गया है। महापौर ने बताया कि पिछले दो सालों से नगर निगम भी आधिकारिक रूप से इस गेर में शामिल हो रहा है। इस बार नगर निगम की गेर रहेगी और एनआरआई का रथ भी होगा।अब एनआरआई भी आने लगे 75 साल पहले गेर निकलना शुरू हुई थी। पहले यह बैलगाड़ी से निकलती थी लेकिन अब मिसाइल, टैंकर, डीजे सहित आधुनिक साधनों तक पहुंच चुकी है।

बच्चियों से दुष्कर्म के खिलाफ साधु का अनोखा प्रदर्शनःशिवपुरी में खून से लिखा सीएम के नाम पत्र, दोषियों को फांसी देने की मांग

रंजीत टाइम्स

शिवपुरी। शिवपुरी में बच्चियों के साथ बढ़ती अपराध की घटनाओं के विरोध में उत्तर प्रदेश के साधु आकाश महाराज ने अपने खून से पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को भेजा है। उन्होंने यह पत्र मंगलवार को कलेक्टर को सौंपा। गौरतलब है कि शिवपुरी जिले में पिछले एक महीने में बच्चियों के साथ कई गंभीर वारदातें सामने आई हैं। 10 फरवरी को एक 7 साल की मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी। इसके बाद 23 फरवरी को दिनारा क्षेत्र में एक 5 साल की बच्ची दुष्कर्म का शिकार हुई। 7 मार्च को अज्ञात बदमाशों ने एक 6 साल के बच्चे का अपहरण करने की कोशिश की।

अपराधियों को फांसी की सजा देने की मांग

आकाश महाराज ने कहा कि अपराधियों के मन में कानून का कोई भय नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि आज हर पिता अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर चिंतित है और इस तरह की घटनाएं समाज के लिए एक गंभीर खतरा हैं। आकाश महाराज ने मांग की है कि ऐसे जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए

साधु ने अपने खून से पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई का संदेश दिया है। उन्होंने सरकार से नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की है। उनका कहना है कि संविधान के कानून इंसानों के लिए बने हैं, हैवानों के लिए नहीं। आकाश महाराज ने इस मुद्दे पर बड़े स्तर पर जनजागरण अभियान चलाने की बात कही है। उनका मानना है कि इससे समाज में बच्चियों और महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर रोक लगेगी।

कच्ची शराब विवाद में हिंसक झड़प

बोलेरो से आए लोगों ने किया हमला, 6 आदिवासी घायल, एक की हालत गंभीर

शिवपुरी। शिवपुरी जिले के सतनवाड़ा थाना क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब को लेकर उपजा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। भीलपुरा गांव के कुछ लोगों ने बोलेरो से आकर सतनवाड़ा कला गांव में हमला कर दिया। इस हमले में छह लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर है।

गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडों से हमला

घटना 14 मार्च शाम करीब 4:30 बजे की है, जब सतनवाड़ा कला गांव के लवकुश आदिवासी अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान अनिल भील, सुनील भील और रोहित आदिवासी अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। बात बढ़ते ही उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हिंसा में लवकुश के अलावा प्रेमचंद, राहुल, आकाश, दिलीप और अरविंद आदिवासी भी घायल हो गए। प्रेमचंद को सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि अन्य घायलों को भी गहरे जख्म हुए।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं

घटना के बाद पुलिस ने तीन नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर तो दर्ज कर ली, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ितों पर राजीनामा करने का दबाव बना रहे हैं। पीड़ितों ने जब पुलिस से मदद मांगी, तो उन्हें वहां से भगा दिया गया। इस डर और असुरक्षा के माहौल में आदिवासी समुदाय के लोगों ने एसपी और कलेक्टर से मुलाकात कर सुरक्षा की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति और बिगड़ सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गांव में फिर से शांति स्थापित हो सके और वे बिना डर के जीवन जी सकें।

धोखाधड़ी कर हड़पी आदिवासियों की जमीन

इलाज के बहाने अंगूठा लगवाकर 20 हजार में रजिस्ट्री कराई, कलेक्टर से की शिकायत

रंजीत टाइम्स

शिवपुरी। शिवपुरी के कोलारस तहसील के कूड़ा पाड़ौन गांव में एक आदिवासी परिवार के साथ जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़ित हरि आदिवासी ने जिला कलेक्टर से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। हरि का आरोप है कि गांव के ही सोनू उर्फ धनंजय शर्मा ने धोखे से उन्हें इलाज के बहाने कोलारस उप पंजीयक कार्यालय ले जाकर उनकी पुश्तैनी जमीन का विक्रय पत्र बनवा लिया, जबकि उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं थी।

गुमराह कर 20 हजार में करा लिया जमीन का सौदा

पीड़ित हरि आदिवासी ने कलेक्टर को दिए अपने आवेदन में बताया कि उनके पिता चुन्नी आदिवासी के नाम गांव में पट्टे की कृषि भूमि थी। पिता के निधन के बाद यह जमीन उनके और उनके भाई के नाम पर दर्ज हो गई थी। हरि के अनुसार, गांव का सोनू उर्फ धनंजय शर्मा उन्हें इलाज कराने के बहाने कोलारस उप पंजीयक कार्यालय ले गया। हरि अनपढ़ होने के कारण सोनू की बातों में आ गए। आरोप है कि उप पंजीयक कार्यालय में सोनू ने उनसे कुछ कागजातों पर अंगूठा लगवा लिया। बाद में उन्हें पता चला कि उनकी जमीन शिशुपाल आदिवासी के नाम पर महज 20 हजार रुपए में बेच दी गई है।

अवैध कब्जे की शिकायत के बाद धोखाधड़ी का हुआ खुलासा

हरि को इस धोखाधड़ी का पता तब चला, जब शिशुपाल आदिवासी के माध्यम से योगेश शर्मा और उनके परिवार द्वारा उनकी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की गई। जब इस मामले की पड़ताल की गई, तो यह स्पष्ट हो गया कि यह एक सोची-समझी साजिश थी। हरि को धोखे में रखकर उनकी बेशकीमती जमीन को हड़प लिया गया। पीड़ित हरि का कहना है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और न ही उन्हें जमीन बेचने के बदले कोई उचित रकम मिली।

पीड़ित ने कलेक्टर से की तीन प्रमुख मांगें

इस मामले में न्याय की गुहार लगाते हुए पीड़ित हरि आदिवासी ने जिला कलेक्टर से तीन प्रमुख मांगें की हैं। पहली मांग है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। दूसरी मांग में उन्होंने अपनी हड़पी गई जमीन को वापस दिलाने की गुहार लगाई है। तीसरी मांग यह है कि आरोपी सोनू शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी और षडयंत्र रचने के आरोप में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

माताटीला डैम में नाव पलटने से सात की मौत

रणजीत टाइम्स जगदीश पाल

कल शाम के समय 4:30 बजे के लगभग ग्राम रजावन थाना खनियाधाना ,पिछोर शिवपुरी से 15 महिला और पुरुष एवं बच्चे एक नाव में बैठकर सिद्ध बाबा की स्थान पर माताटीला डैम के अंदर स्थित टापू पर होली की फाग के लिए जा रहे थे। सिद्ध बाबा के स्थान पर पहुंचने से लगभग 200 मी दूरी पर नाव के डूबने से तीन महिला दो लड़के ,दो लड़कियां कुल 7 व्यक्ति पानी में डूब गए है। जबकि 8 महिला और पुरुष तैरकर बाहर आ गए हैं। डूबने वाले महिला और बच्चों की तलाश में माता टीला बांध के तीन स्टीमर तलाश में लगे हुए हैं। अभी तलाश जारी है। Sderf की टीम भी मौके के लिए रवाना है।

माताटीला डैम में डूबने वाले महिला और बच्चों के नाम इस प्रकार हैं (1)शारदा पत्नी इमरत लोधी उम्र 55 साल ,(2) कुमकुम पुत्री अनूप लोधी उम्र 15 साल (3)लीला पत्नी रामनिवास लोधी उम्र 40 वर्ष निवासी (4) चाइना पुत्री लज्जाराम लोधी उम्र 14 साल,(5) कान्हा पुत्र कप्तान लोधी उम्र 7वर्ष ,(6) राम देवी पत्नी भूरा लोधी उम्र 35 साल (7) शिवा पुत्र भूरा लोधी उम्र 8 वर्ष समस्त डूबने वाले महिला और बच्चे ग्राम रजावन के निवासी है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, बुधवार 19 मार्च 2025
03
DIGITAL EDITION

प्रसिद्ध बजरबट्टू सम्मेलन.

महामंडलेश्वर के रूप में नजर आए मंत्री श्री विजयवर्गीय जी फाग यात्रा में अनोखे अंदाज में इंदौरवासियों को दी पर्व की शुभकामनाएं

रंजीत टाइम्स» अनिल चौधरी

इंदौर में रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर मंगलवार को बजरबट्टू सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी हमेशा की तरह अलग वेशभूषा में शामिल हुए। मंत्री श्री विजयवर्गीय जी ने इस बार हाल ही संपन्न हुए प्रयागराज महाकुंभ की संस्कृति एवं एकता को दर्शाते हुए श्री पितरेश्वर धाम के फलाहारी बाबा का रूप अपनाया। इसके बाद निकाली गई फाग यात्रा में विशेष रथ पर राधा कृष्ण रास नृत्य, रासलीला करते शामिल हुए। बजरबट्टू महोत्सव से पूर्व मीडिया से बातचीत में मंत्री शविजयवर्गीय जी ने कहा, इंदौर तो त्योहारों का ही शहर है। यहां रंगपंचमी उत्साह के साथ मनाई जाती है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कहीं और इस तरह का रंगपंचमी उत्सव मनाया जाता होगा। पूरा शहर मानो सड़कों पर उतर आता है, लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, कोई किसी को पहचानता तक नहीं, फिर भी सभी एक-दूसरे को शुभकामनाएं और बधाइयां देते हैं। यह इस शहर की खूबसूरती है कि यहां के लोग इसे दिल से प्यार करते हैं।

पानी की प्याऊ की बदहाली को लेकर शिवसेना इंदौर ने दिया महापौर को ज्ञापन

रंजीत टाइम्स» अनिल चौधरी

.इंदौर शहर में शिवसेना की माँग पर 5-6 वर्षों पूर्व लगी निगम की प्याऊ जो लाखों रुपए ख़र्च कर लगाई गई थी वे पिछले तकरीबन 2 वर्षों से बदहाली की गर्त में पहुंच चुकी है.... शिवसेना इंदौर परिवार की और से महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव जी के नाम एक ज्ञापन निजी सचिव श्री पारख को सौपकर इंदौर की इन बंद पड़ी प्याऊओं को सुधार कार्य करवा कर पुनः जनता को प्याऊ से शीतल जल की भेंट देकर इस भीषण गर्मी में राहत दिलवाने की माँग की गई....जिसे श्री पारख ने स्वीकार करते हुए महापौर जी से चर्चा कर अतिशीघ्र आम जनता को पुनः यह सौगात देने का आश्वासन दिया... शिवसेना ने कहा की 1 माह में सभी प्याऊ नियमित रूप से शुरू नहीं होने की स्थिति में शिवसेना उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी...

शिवसेना के ज्ञापन पत्र सौपने के अवसर पर मुख्य रूप से इंदौर जिला प्रमुख प.महेश शर्मा (लखन), शिवसेना नेता श्री लक्ष्मीनारायण कटारिया, जिला उपप्रमुख लक्ष्मण रामजी कुमावत, जिला संगठन प्रमुख गिरधारी लाल कुमावत,युवासेना जिला प्रमुख धनराज दामके, जिला सचिव राजेश सोनोने, जिला प्रचार प्रमुख भावेश शेवाड़े,राजकुमार सोलंकी सहित शिवसैनिक उपस्थित थे।

नगर परिषद खनियाधाना सीएमओ संतोष सोनी के खिलाफ नगर वासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

नल जल सप्लाई 8 दिन से बंद होने के कारण नगर की जनता में भारी आक्रोश

खनियाधाना (शिवपुरी) नगर परिषद खनियाधाना द्वारा नल जल सप्लाई आठ दिनों से बंद होने के कारण नगर की जनता में भारी आक्रोश देखने को मिला है नगर में कहीं पर सही तरीके से सफाई नहीं हो रही है इतनी नालियों में हर जगह गंदगी फैल रही है जिससे बीमारियों में भी इजापा हो रहा है नगर की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि 8 दिन से नगर वासियों को पानी पीने नहीं मिल रहा है जिस कारण से आज सभी जनता द्वारा एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आज खनियाधाना तहसील में उपस्थित होकर नगर परिषद सीएमओ के खिलाफ तहसीलदार को मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं जिला कलेक्टर महोदय शिवपुरी को ज्ञापन दिया जिसमें मुख्य रूप से पिछोर को जिला बने बनाने की मुहिम छेड़ने वाले पंजाब सिंह यादव भानु जैन सुरेंद्र कुमार कोटेदार रमाकांत पाठक आशीष जैन पार्षद शैलेंद्र गुप्ता मोहरी कला आदि सभी जनप्रतिनिधियों ने भारी जनसंख्या में खनियाधाना तहसीलदार को ज्ञापन दिया खनियाधाना सीएमओ का कर्मचारियों को वेतन का भुगतान 4 महीने से नहीं दिया गया है जब वेतन नहीं दिया गया तो वह कर्मचारी क्यों काम करेंगे नगर परिषद खनियाधाना में का जल एवं साफ सफाई की व्यवस्था बुरी तरह ठप है आम जनता पानी के लिए परेशान हो रही है गुणवत्ता हीन मोटर रिपेयरिंग कराई जाती है तो आए दिन खराब हो जाती है जिससे नगर वासी पानी को त्राहि त्राहि मचा रहे हैं नगर की साफ सफाई व्यवस्था पूरी तरह फेल है सीएमओ संतोष सोनी का नगर कर्मचारियों पर कोई नियंत्रण नहीं है कर्मचारियों को चार-चार माह से वेतन नहीं मिला जिससे कर्मचारियों में निरंकुश्ता बनी हुई है एसडीआरएफ योजना की राशि जो नगर में नाले एवं नालिया निर्माण आई थी उसे अन्य मद में खर्च कर भारी भ्रष्टाचार किया गया है जिसे जांच प्रतिवेदन माननीय कलेक्टर महोदय शिवपुरी के पास पहुंच चुका है लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है प्रभारी सीएमओ संतोष सोनी द्वारा नगर पंचायत की व्यवस्था को नहीं संभाल पा रहे हैं एवं उनके द्वारा बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है नगर प्रभारी सीएमओ संतोष सोनी को तत्काल प्रभाव से हटाकर अन्य सीएमओ को नगर परिषद खनियाधाना में पदस्थ किया जाए ताकि नगर की जनता को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके।

ओंकारेश्वर धाम को नई रोशनी में निखारने की तैयारी, धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

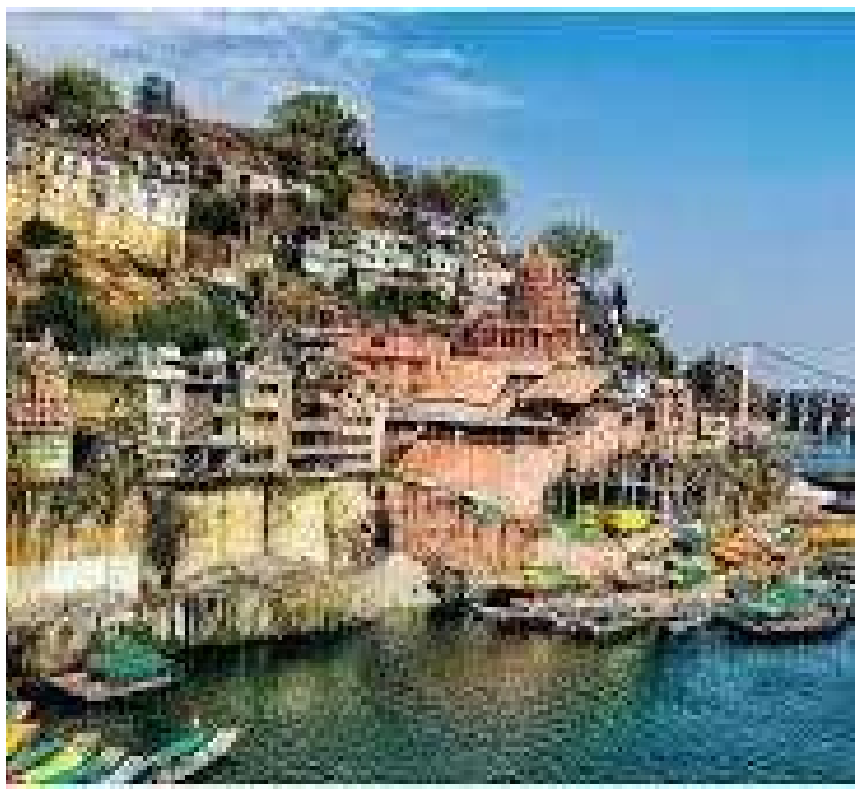

भोपाल/ओंकारेश्वरः मध्यप्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं और ओंकारेश्वर धाम भी अब नई रोशनी में जगमगाएगा।

उन्होंने कहा कि युगों-युगों से ओंकारेश्वर धाम की अपनी विशेष महिमा रही है और इसे भव्य स्वरूप देने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। इस दिशा में तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है।

सरकार द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्यः

ओंकारेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण और सुविधाओं का विस्तार तीर्थयात्रियों के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं

धार्मिक स्थलों को संरक्षित और सुसज्जित करने के लिए विशेष प्रयास

मुख्यमंत्री यादव ने कहा

ओंकारेश्वर धाम का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व सदियों से रहा है और इसे विश्व स्तरीय धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। धार्मिक पर्यटन को मिलेगा नया आयाम, ओंकारेश्वर धाम होगा और भव्य!

तीन दिवसीय 29 वा-ओशो ध्यान साधना शिविर का शुभारंभ 20 मार्च को होगा

21,22,23 मार्च को ध्यान, साधना, नृत्य में तल्लीन रहेंगे ओशो प्रेमी संचालन देश विदेश में प्रख्यात संचालिका मां.ओशीन (चंडीगढ़) करेगी.

रंजीत टाइम्स

शिवपुरी। ओशो परिवार द्वारा प्रति वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी 29 वा तीन दिवसीय ओशो ध्यान साधना शिविर स्थानीय फतेहपुर रोड पर स्थित शिव रिसोर्ट में देश विदेश में प्रख्यात ओशो के शिविरों की संचालिका मां.ओशीन (चंडीगढ़) के संचालन में 20 मार्च को संध्या 5 बजे शुभारंभ होगा.21 मार्च को ओशो संबोधि दिवस है,इस दिन प्रातः 7 बजे से ध्यान, साधना, नृत्य, प्रवचन के साथ में ओशो के द्वारा करायें गये विभिन्न ध्यान रात 8.30 बजे तक होंगे.22 मार्च को भी प्रातः 6 बजे से रात 8.30 बजे तक विभिन्न ध्यान, साधना,नृत्य ओर ओशो के प्रवचन से जीवन में सकारात्मकता से आनंद की प्राप्ति, आध्यात्मिक शक्ति के संचार में ओशो प्रेमी लीन होंगे.इसी तरह से शिविर के अन्तिम दिवस भी सम्पूर्ण दिवस ध्यान ,साधना के मध्य सभी ओशो प्रेमीगण लीन रहेंगे, संध्या सत्संग के उपरांत संन्यास महोत्सव होगा ओर इसके बाद सभी ओशो प्रेमी नृत्य साधना में लीन होंगे.शिविर संचालिका मां.ओशीन का सम्मान किया जायेगा,इसके बाद रात 9.30बजे ओशो ध्यान साधना शिविर का समापन होगा. ओशो परिवार शिवपुरी के स्वामी निखिल आनंद (गोपाल जी स्वर संगम), स्वामी ध्यान निर्दोष(रवींद्र गोयल), स्वामी कृष्ण आनंद (डा.भूपेन्द्र विकल),स्वामी नीरज गर्ग(श्रीजी हार्डवेयर)सहित सभी सदस्यों ने सभी ओशो प्रेमियों से अनुरोध किया है कि उपरोक्त शिविर तीन दिवसीय आवासीय है ओर इसलिए सभी अपना पंजीकरण रवीन्द्र इलेक्ट्रॉनिक, हनुमान मंदिर ,माधव चोक, शिवपुरी करालें.ओशो परिवार शिवपुरी द्वारा शिविर को श्रेष्ठ बनाने के लिए तैयारियां आरंभ कर दी है.शिवपुरी के बाहर के अनेक ओशो संन्यासी ओर मां ने पंजीकरण करा लिया है।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278

आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में हो रही मनमानी कटौती

शिवपुरी UIT RGPV कॉलेज के 50 कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन, वेतन देरी से भुगतान का आरोप

रंजीत टाइम्स

शिवपुरी। शिवपुरी के UIT RGPV इंजीनियरिंग कॉलेज सतनबाड़ा में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने वेतन संबंधी समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपा है। कर्मचारियों का आरोप है कि साइंटिफिक सिक्योरिटी मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी उनके वेतन में मनमानी कटौती कर रही है। कॉलेज में लगभग 50 आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं। कर्मचारी विजय सिंह के अनुसार, हर माह उनके वेतन में से कुछ न कुछ राशि काट ली जाती है। कंपनी बिना किसी पूर्व सूचना के यह कटौती करती है।

कर्मचारियों की प्रमुख शिकायतें हैंः

वेतन में बिना सूचना कटौती।

बोनस भत्ते का लाभ नहीं मिलना।

ईपीएफ खातों में आवश्यक सुधार न होना।

श्रम विभाग के आदेश के बावजूद पहली तारीख को वेतन का भुगतान न होना।

कटौती रोकने की मांग

कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर से समय पर वेतन भुगतान और अनावश्यक कटौती रोकने की मांग की है। उन्होंने अपने आवेदन के साथ श्रम विभाग के आदेश और वेतन कटौती का विस्तृत विवरण भी जमा किया है। त्वरित कार्रवाई के लिए आवेदन की प्रतिलिपि जिला श्रम अधिकारी शिवपुरी और कमिश्नर श्रम विभाग ग्वालियर संभाग को भी भेजी गई है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन में की जा रही कटौती से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली के द्वारका इलाके में लगी भीषण आग

2 फैक्ट्री, कई दुकानें और 30 झुग्गियां जलकर खाक

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के द्वारका मोड़ इलाके में सोमवार देर रात भीषण आग लगने से कम से कम 30 झुग्गियां, दो फैक्ट्री और कुछ दुकानें जलकर खाक हो गईं। दमकल विभाग कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, इतनी गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने मंगलवार को इस अग्निकांड के बारे में जानकारी देते हुए कहा हमें रात 2:07 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद तुरंत दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। विकराल रूप धारण कर चुकी आग 1200 वर्ग गज से अधिक क्षेत्र में फैल गई थी।

उन्होंने बताया कि भीषण आग की चपेट में आने से 30 झुग्गियां, 2 अस्थायी आइसक्रीम फैक्ट्री, कार एक्सेसरीज और किराना की कुछ दुकानें जलकर खाक हो गईं।

आग पर तड़के 3:50 मिनट पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हालांकि इस अग्निकांड में भारी नुकसान होने का अनुमान है।

दिल्ली में बीते एक हफ्ते में हुई आग लगने की घटनाएं : युवक की संदिग्ध हालत में जलकर मौत दिल्ली किराड़ी इलाके में होली वाले दिन एक युवक की संदिग्ध हालत में जलकर मौत हो गई थी। युवक का शव झुलसी हालत में उसके बिस्तर पर बरामद किया गया था। 25 वर्षीय मंदीप अपने परिवार के साथ रतन विहार इलाके में रहता था। कमरे में धुआं देखकर पड़ोसियों ने परिजन, दमकल और पुलिस को दी। मामले की सूचना मिलने के बाद दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। सीपी के रेस्तरां में आग से छह झुलसे

वहीं कनॉट प्लेस इलाके में स्थित बिकगेन बिरयानी रेस्टोरेंट में गुरुवार सुबह आग लग गई थी। आग की चपेट में आने से रेस्तरां में काम कर रहे छह कर्मचारी झुलस गए थे। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई गई थी। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया था। गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण आग लगने की आशंका जताई जा गई थी।

दिल्ली सरकार ने शुरू किया राशन कार्ड धारकों का ई-सत्यापन, महिला समृद्धि योजना के लिए अहम

नईदिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फर्जी राशन कार्ड की धोखाखड़ी को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने ई-सत्यापन शुरू कर दिया है। लाभार्थियों को आधार नंबर होने का प्रमाण देने के साथ उसे राशन कार्ड से लिंक भी करना होगा। यह प्रक्रिया 31 मार्च तक चलेगी। खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राशन कार्ड धारकों को सत्यापन के लिए ज्यादा भटकने की जरूरत नहीं होगी। घर बैठकर अलग-अलग तरीके से अपना सत्यापन कर सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजधानी में सभी राशन कार्ड धारकों के पास बायोमेट्रिक आधारित स्मार्ट राशन कार्ड हैं, लेकिन 2013 के बाद, सत्यापन प्रक्रिया जो हर पांच साल में होनी चाहिए, नहीं हुई। इसलिए नए राशन कार्ड के लिए जगह नहीं बन पाई। वर्ष 2013 से अब तक जिन कार्ड धारकों की मृत्यु हो गई है या जो लोग केवल निवास प्रमाण के लिए राशन कार्ड रखते हैं, उनके नाम हटा दिए जाएंगे। जिन्हें सरकारी नौकरी मिल गई होगी, आय बढ़ गई होगी उनका नाम भी हटा दिया जाएगा। खाली जगहों पर नए कार्ड बनेंगे। अभी दिल्ली में कुल 17.41 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक है।

पहला विकल्प : राशन कार्ड धारक केंद्र सरकार के मोबाइल ऐप 'मेरा ई-केवाईसी' का प्रयोग करके ई-सत्यापन करा सकते हैं। इससे अगर किसी व्यक्ति का राशन कार्ड दो राज्यों में होगा तो वह पकड़ा जाएगा। दिल्ली से उसका नाम हटा दिया जाएगा। इससे लंबित आवेदनों को राशन कार्ड बनवाने का मौका मिलेगा।

दूसरा विकल्प : राशन कार्ड धारक दिल्ली में पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन पर बायोमैट्रिक सत्यापन भी करा सकते हैं। यह मशीन उन दुकानों पर मिलती है, जहां से आप सरकारी राशन लेते हैं।

सत्यापन की प्रक्रिया इसलिए भी है अहम है, क्योंकि दिल्ली सरकार आने वाले दिनों में कई आर्थिक सहायता वाली योजनाएं शुरू करने वाली है। इसमें महिला समृद्धि योजना भी शामिल है, जिसके तहते गरीब परिवार की महिलाओं को 2500 रुपये हर माह मिलेंगे। इसके अलावा आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा समेत अन्य योनजाएं है। इसके लिए राशन कार्ड धारकों को आधार बनाया जाएगा।

दिल्ली वाले अगले 100 दिन में देखेंगे असल बदलाव, विधायकों संग मीटिंग के बाद बोले प्रवेश वर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी और जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने सोमवार को विधायकों के साथ बैठक कर अपने विभागों से संबंधित विकास कार्यों के लिए 100 दिनों की योजना बनाई। दिल्ली की नई भाजपा सरकार के एजेंडे में सड़कों और नालों की मरम्मत, सीवर की सफाई और जल निकासी प्रबंधन, बाढ़ और जलभराव की समस्या, अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई और लंबित विकास परियोजनाओं में तेजी लाना शामिल है।

वर्मा ने कहा, सालों से दिल्ली में कोई काम नहीं हुआ क्योंकि कोई इरादा नहीं था। स्थिति अब इतनी खराब हो गई है कि हमें लोगों को राहत देने के लिए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। सड़कों की मरम्मत, सीवरों की सफाई और नालियों को साफ करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता विकास है और अगले 100 दिनों में दिल्ली के लोगों को बदलाव दिखेगा। हम अधिक से अधिक इलाकों की समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास करेंगे। भाजपा सरकार सिर्फ वादे नहीं करती, हम लोगों की सेवा के लिए काम करते हैं।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित बैठक में शकूर बस्ती, त्रिलोकपुरी, पटपड़गंज, लक्ष्मी नगर, मुंडका, नांगलोई जाट, मोती नगर, मादीपुर (पश्चिम क्षेत्र), मंगलापुरी और किराड़ी के विधायक शामिल हुए। बैठक में पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी मौजूद थे। प्रवेश वर्मा ने एचटी को बताया कि विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए विधायकों और संबंधित अधिकारियों के साथ आमने-सामने बैठक करने का

दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति का पाठ पढ़ेंगे रोहिंग्या शरणार्थी बच्चे, कोर्ट के आदेश पर होगा दाखिला

नईदिल्ली, एजेंसी।
रोहिंग्या शरणार्थी छात्र अब दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति का पाठ पढ़ेंगे। कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली के खजूरी खास की श्रीराम कॉलोनी के आस-पास स्थित सरकारी स्कूलों ने अभिभावकों से आवेदन करने के लिए संपर्क किया है। यहां रहने वाले 19 में से 11 बच्चों के आवेदन स्कूलों को प्राप्त हो गए हैं, जबकि 8 बच्चों के रजिस्ट्रेशन होना बाकी हैं।

स्कूल प्रबंधन का कहना है कि जो भी शिक्षा विभाग से सुविधा मिलती है, वह इन सभी बच्चों को दी जाएगी। हालांकि, अभी देखना यह है कि इन्हें किस क्लास में दाखिला देना है। इनमें अधिकतर बच्चे 6 से 14 साल के हैं। वहीं, दूसरी ओर कोर्ट के आदेश के बाद रोहिंग्या शरणार्थियों में खुशी की लहर है। शरणार्थी उमर फारूक कहते हैं कि वह 2016 में भारत आए थे। बेटा हुसैन अहमद स्कूल जाने से वंचित था। अहमद की उम्र बढ़ती जा रही है। अब वह 9 साल का है। ऐसे में स्कूल जाना बहुत जरूरी है। वह रुंधे गले से कहते हैं कि बच्चे पढ़ जाएंगे तो आने वाली पीढ़ी की

जिंदगी भी संवर सकती है। म्यांमार में हालात ठीक नहीं थे तो जान बचाना जरूरी था। बच्चों को स्कूल जाते देखना किसी सुकून से कम नहीं है। उन्होंने न्यायपालिका का शुक्र अदा किया और कहा कि भारत की न्याय प्रणाली पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है।

वहीं, राशिद खान ने बताया कि उनके बेटे जुनैद के दाखिले के लिए भी स्कूल से कॉल आई है। हालांकि, वह कहते हैं कि उन्हें नहीं पता कि उनके बेटा को किस क्लास में जाएगा, लेकिन

5 दिन ऑफिस में काम नहीं करूंगी, भारतीय कर्मचारी ने लंदन में रोज काम पर जाने से किया इनकार; बताई वजह

लंदन, एजेंसी।
लंदन में रहने वाली 25 साल की भारतीय महिला तरुणा विनायकिया ने ऑफिस से काम करने को लेकर एक पोस्ट की है। 25 साल की महिला ने इस बात पर जोर दिया कि वह लंदन के महंगे सफर पर अपनी पूरी आय खर्च नहीं करेगी।

लिंक्डइन पर एक वायरल पोस्ट में उन्होंने कार्यालय लौटने के आदेशों, बढ़ते खर्च और जेन-जेड पेशेवरों को प्रभावित करने वाले स्थिर वेतन के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं ऑफिस में 5 या 4 दिन काम नहीं करूंगी।

विनायकिया ने कैरियर में उन्नति के सीमित अवसरों पर भी अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि टॉप पदों पर अक्सर ऐसे व्यक्ति होते हैं, जिनके रिटायर होने के कोई संकेत नहीं दिखते। उन्होंने कहा, उनकी अच्छी

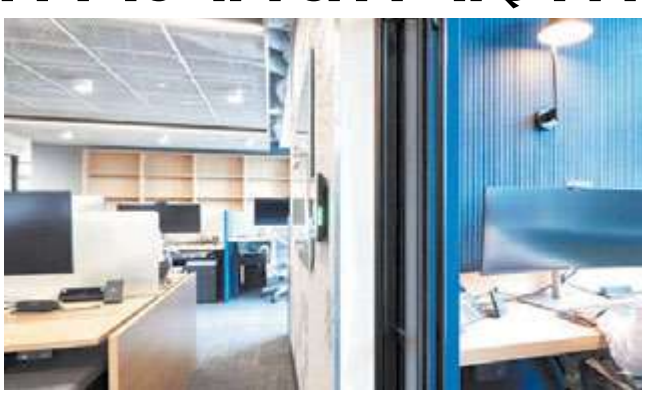

खासी तनख्वाह वाली नौकरी के बावजूद, वह हर महीने गुजारा करने के लिए संघर्ष करती है। मैं 25 साल की हूं। अच्छे करियर में हूं, लंदन में रहती हूं और फिर भी हर महीने अपने बिलों का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रही हूं। शायद मेरे पास कभी घर नहीं होगा। कॉर्पोरेट की सीढ़ी चढ़ना? यह कोई सपना नहीं है, जब टॉप पर ऐसे लोग हैं जो रिटायर होने तक अपनी जगह नहीं बना पाएंगे और किस लिए? उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जेन जेड कर्मचारियों को जेन एक्स और पुराने मिलेनियल्स की तुलना में वेतन और लाभ असमानताओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कर्मचारियों द्वारा अपनी कर-पश्चात आय का एक बड़ा हिस्सा आवागमन लागतों पर खर्च करने की प्रथा की भी आलोचना की। बता दें कि जेन जेड ँ उन लोगों को कहा जाता है, जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए हैं। यह पीढ़ी इंटरनेट, सोशल मीडिया, और डिजिटल टेक्नोलॉजी के साथ बड़े हुए हैं। तरुणा विनायकिया ने अपने करियर और काम पर नियंत्रण पाने के लिए फ्रीलांसिंग की ओर रुख किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि काम का भविष्य पारंपरिक कॉर्पोरेट संरचनाओं में काम करने के बजाय व्यक्तिगत करियर बनाने में निहित हो सकता है। विनायकिया ने अपने लेख में लिखा, सौभाग्य से मैंने फ्रीलांसिंग की ओर रुख किया और हालांकि अभी भी शुरुआती दिन हैं।

पीएम मोदी की सकारात्मक टिप्पणियों से चीन खुश, कहा - करते हैं समर्थन

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने सोमवार को कहा कि वह बीजिंग-नई दिल्ली संबंधों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सकारात्मक टिप्पणियों की सराहना करता है. अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने उन प्रयासों पर जोर दिया जो यह सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे हैं कि दोनों देशों के बीच मतभेद संघर्ष में न बदल जाएं. प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत और चीन के बीच सहयोग जरूरी है. उन्होंने संघर्ष के बजाय स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वकालत की. पीएम मोदी ने कहा, एक स्थिर और सहयोगात्मक संबंध बनाने के लिए संवाद महत्वपूर्ण है, जिससे दोनों देशों को लाभ हो. चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, हम चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी की हाल की सकारात्मक टिप्पणियों की सराहना करते हैं. पिछले अक्टूबर में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान में सफलतापूर्वक मुलाकात की और चीन-भारत संबंधों को सुधारने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया. निंग ने कहा, दोनों पक्षों ने दोनों देशों के नेताओं की साझा सहमति को ईमानदारी से लागू किया है।

इस जंगल में पेड़ों का 90 डिग्री तक मुड़ना एक रहस्य

विश्व का लगभग हर कोना किसी का किसी रहस्यमयी कहानियों के लिए जरूर फेमस है। जैसे-पेरू में मौजूद नाज़का लाइन्स, स्कॉटलैंड में मौजूद लॉक नेस और बरमूडा ट्रायंगल आदि कई जगह इस लिस्ट में शामिल हैं। विश्व में मौजूद कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में पढ़ने और सुनने के बाद व्यक्ति कुछ समय के लिए सोच में पड़ जाता है। मध्य यूरोपीय देश पोलैंड में मौजूद ग्रेफाइनो का जंगल किसी रहस्यमयी कहानी से कम नहीं है। पोलैंड में मौजूद पोलैंड का क्रूक्ड जंगल यानी टेढ़े-मेढ़े पेड़ों के लिए जाना जाता है।

पोलैंड का क्रूक्ड जंगल

पोलैंड में मौजूद जिन टेढ़े-मेढ़े पेड़ों के बारे में बात कर रहे हैं वो ग्रेफाइनो के जंगल में मौजूद हैं। इस जंगल में लगभग 400 ऐसे पेड़ हैं जो अपनी अद्भुत आकृति के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। क्रूक्ड जंगल में जो पेड़ टेढ़े-मेढ़े हैं उनमें से अधिकतर पेड़ चीड़ के हैं। कहा जाता है कि ये सारे पेड़ एक खास तरह से मुड़े हुए हैं। इनमें से कई पेड़ 90 डिग्री तक मुड़े हुए हैं।

क्रूक्ड जंगल में इन पेड़ों को कब लगाया था?

क्रूक्ड जंगल में इन पेड़ों को कब लगाया गया था यह भी एक रहस्यमयी कहानी से कम नहीं है। माना जाता है कि इन पेड़ों को द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले लगाया गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर आज तक इस जंगल में मौजूद सभी पेड़ एक अलग ही आकृति में मौजूद हैं।

पेड़ों के 90 डिग्री मुड़ने की कहानी

क्रूक्ड जंगल में मौजूद पेड़ कब और कैसे मुड़े, इसके पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। कई लोगों का मानना है कि इस जंगल में मौजूद पेड़ गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से ऐसे हो जाते हैं। इस जंगल में मौजूद टेढ़े-मेढ़े पेड़ों को लेकर एक अन्य कहानी है कि पेड़ों को झुकाने में दूसरे ग्रहों से आए लोगों की भूमिका हो सकती है। हालांकि, अभी तक सही वजह किसी को मालूम नहीं चला है।

बेहद खूबसूरत लगते हैं

कहा जाता है कि इस जंगल में मौजूद पेड़ लगभग 3 से 9 फुट मुड़े रहने के बाद फिर ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। यहां मौजूद सभी पेड़ देखने में भी काफी सुंदर तो लगते हैं, लेकिन कई सैलानी डर की वजह से इस जंगल में घूमने नहीं पहुंचते हैं।

पेड़ों के ऐसा होने की क्या वजह?

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि कोई नहीं जानता कि इन पेड़ों का इतना अनोखा आकार क्यों है और कैसे वे उगे हैं. हालांकि पेड़ों के ऐसे आकार के होने के पीछे कई थ्योरिज हैं, जिनमें से एक के अनुसार, ये है कि पेड़ अपनी प्रारंभिक अवस्था में भारी बर्फ के नीचे दब गए थे, जिसकी वजह से इनके नॉर्मल बढ़ने का तरीका प्रभावित हुआ. दूसरी थ्योरी कहती है कि इस जंगल में एक खास तरीके का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव पाया जाता है, उसकी वजह से ही ये पेड़ इस तरह से उगे हैं.
एक तीसरी थ्योरी कहती है कि यहां के पेड़ों में कुछ जेनेटिक बदलाव हुए हैं. हालांकि, एक स्पष्टीकरण से पता चलता है कि जंगल में रहने वाले लोगों ने 1925-1928 में पेड़ों को लगाने के बाद उन्हें आकार दिया. जाहिर है, वे मुड़ी हुई आकृतियों से फर्नीचर बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने इन पेड़ों को इस तरह से मोड़ दिया, जिस वजह से बाद में ये पेड़ इस तरह के अजीबगरीब आकार में बढ़े हुए हैं.

बाकी जंगलों से अलग

यह जंगल दुनिया के बाकी जंगलों से काफी अलग है। यह अपने भयानक पेड़ों की वजह से नहीं बल्कि झुकने वाले पेड़ों की वजह से जाना जाता है। इस जंगल में पेड़ों की खासियत यह है कि ये समकोण यानी कि 90 डिग्री तक झुके हुए हैं। ये तीन से नौ फुट तक बढ़ने के बाद मुड़ते हैं। जो देखने में काफी रोचक और रहस्यमयी लगते हैं। पोलैंड का ये क्रूक्ड जंगल अपने इस रहस्यमयी पेड़ों की वजह से काफी चर्चा में रहता है। इस जंगल के इन पेड़ों को लेकर कहा जाता है कि ये द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले लगाये थे।

अजब-गजब की दुनिया काफी विचित्र है। इसमें जहां इंसानों में कई अटपटी चीजें देखने को मिलती है, वहीं कुछ मौकों पर कुदरत पेड़-पौधों को भी रहस्यमयी बना देती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं प्रकृति के ऐसे ही अद्भुत कमाल के बारे में। ये है पोलैंड का क्रूड जंगल। यहां करीब 400 पेड़ समकोण (90 डिग्री) पर मुड़े हुए हैं। यह जंगल नोवे सजारनोवो गांव के पास स्थित है। इन पेड़ों को द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत से पहले लगाया गया था। सभी पेड़ एक खास तरीके से मुड़े हुए हैं। ये आधार से 90 डिग्री पर मुड़ जाते हैं और तीन से नौ फुट तक ऐसे ही रहने के बाद फिर ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। पेड़ों के ऐसे रूप के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। कोई कहता है कि दूसरे ग्रहों से आए प्राणियों ने ऐसा किया है, तो कुछ का कहना है कि यहां गुरुत्वाकर्षण बल (ग्रेविटेशनल फोर्स) धरती की दूसरी जगहों से ज्यादा है। यह भी माना जाता है कि यहां कुछ लोगों ने पौधे लगाए थे, उसके कुछ समय बाद ही दूसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया था। इस दौरान वहां से गुजरने वाले टैंकों के प्रभाव से पेड़ मुड़ गए।

दुनिया का सबसे बड़ा ओपन एयर म्यूजियम

तस्कर दुनिया के सबसे बड़े ओपन एयर म्यूजियम मुआंग बोरान की है। यह संग्रहालय धाईलैंड में स्थित है। इस संग्रहालय में थाई वास्तुकला की सबसे महत्वपूर्ण प्राचीन खंडहरों के मॉडल और प्रसिद्ध स्मारकों की प्रतिकृतियां रखी हुई हैं। यह म्यूजियम लगभग 300 एकड़ में फैला हुआ है। यह संग्रहालय इतना बड़ा है कि इसमें 250 से ज्यादा फुटबॉल के मैदान बनाए जा सकते हैं। यह संग्रहालय 116 मूर्तियों से इंका हुआ है। यहां 250 टन बजनी तीन सिर वाले हाथी की मूर्ति सबसे प्रसिद्ध है। पार्क का निर्माण 1972 में लेक विरियाफन ने किया था, जो एक धनी कला-प्रेमी व्यवसायी थे। उनका इरादा कुछ सबसे पारंपरिक थाई इमारतों के लघु चित्रों से घिरा एक गोल्फ कोर्स बनाना था, लेकिन काम के दौरान उन्होंने परियोजना के दायरे को संशोधित करके एक ऐसा स्थान बनाया जो राष्ट्र की कलात्मक और सांस्कृतिक स्मृति को संरक्षित करता है।

जोकोविच, अल्काराज मियामी ड्रॉ के एक ही हाफ में

मियामी, एजेंसी। छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच और 2022 के खिताब विजेता कार्लोस अल्काराज 19 मार्च से शुरू हो रहे मियामी ओपन के मुख्य ड्रॉ के एक ही हाफ में उतरे हैं। जोकोविच 2019 के बाद पहली बार मियामी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी कर रहे हैं। 2011 से 2016 तक, सर्बियाई स्टार ने छह संस्करणों में से पांच जीते। वह मियामी में अपनी वापसी की शुरुआत अपने हमवतन हमाद मेदजेडोविच, 2023 एटीपी फाइनल्स चैंपियन या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा के खिलाफ करेंगे।

रिकॉर्ड 40 बार मास्टर्स 1000 जीतने वाले इस खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में दानिल मेदवेदेव के रूप में एक और पूर्व नंबर 1 से सामना हो सकता है। 2023 मियामी चैंपियन मेदवेदेव अपनी शुरुआती मैच में जैसे मुनार या आर्थर रिंडरकनेच से भिड़ेंगे। जोकोविच लगातार तीन मैच हारने के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें इंडियन वेल्स में बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के खिलाफ शुरुआती हार भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय खिलाड़ी का मियामी में 44-7 का रिकॉर्ड है।

दूसरे वरीय अल्काराज, जो एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार टूर्नामेंट में 13-3 हैं, अपने इवेंट की शुरुआत डेविड गोफिन या एलेक्जेंडर वुकिक के खिलाफ करेंगे। तीसरे दौर में उनका सामना 31वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से हो सकता है और स्पैनियार्ड के क्वार्टर में अन्य वरीय खिलाड़ियों में पांचवें वरीय कैस्पर रूड, ग्रिगोर दिमित्रोव और 12वें वरीय टॉमी पॉल शामिल हैं।

इंडियन वेल्स की तरह, एलेक्जेंडर ज्वेरेव शीर्ष वरीय हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से जर्मन खिलाड़ी ने लगातार दो से ज्यादा मैच नहीं जीते हैं और मियामी में वापसी करने की कोशिश करेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

ज्वेरेव अपने टूर्नामेंट की शुरुआत फ्रेंचमैन बेंजामिन बोंजी या क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। 27 वर्षीय खिलाड़ी तीसरे दौर में खतरनाक 28वीं वरीयता प्राप्त जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से खेल सकते हैं, जबकि 16वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और 17वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स संभावित चौथे दौर के प्रतिद्वंद्वी हैं। जैक ड्रेपर, जिन्होंने अपनी पहली मास्टर्स 1000 जीत हासिल की है, छठे वरीयता प्राप्त हैं।

स्वीस ओपनः

सिंधू का सामना मालविका से, पुरुष एकल में लक्ष्य देंगे प्रणय को चुनौती, फॉर्म हासिल करने पर नजरें

बासेल, एजेंसी। सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी।

स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 2,50,000 डॉलर इनामी राशि के स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में खोया फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे। सिंधू का सामना भारत की दूसरे नंबर की मालविका बंसोड़ से होगा। वहीं, लक्ष्य भी भारत के ही एच एस प्रणय से खेलेंगे जो यहां 2016 में खिताब जीत चुके हैं।

ऑल इंग्लैंड में खराब रहा था प्रदर्शनः सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी। मालविका ने हालांकि सिंगापुर की यिओ जिया मिन को हराया था। लक्ष्य ऑल इंग्लैंड के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जबकि प्रणय

पहले दौर में बाहर हो गए थे। स्विस ओपन में भारतीयों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। सिंधू, किदांबी श्रीकांत, प्रणय, समीर वर्मा, साइना और पुरुष युगल में सात्विक-चिराग खिताब जीत चुके हैं।

ओलंपिक के बाद पहली बार भिड़ेंगे लक्ष्य-प्रणय

लक्ष्य और प्रणय की पेरिस ओलंपिक के बाद एक-दूसरे से पहली भिड़ंत होगी। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे किरण जॉर्ज का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके से होगा, जबकि प्रियांशु राजावत स्विट्जरलैंड के कुएंजी से खेलेंगे।

कार्तिक की लव आज कल की असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजहः यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

कास्टिंग का किया बचावः फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था। इस बातचीत में इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कारण कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग की वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबूत वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उसे ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में भी यह बात सामने नहीं आई।

करण के साथ कोर्ट मैरिज करेंगी तेजस्वी प्रकाश

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी

● चंद्रमा की सतह की स्टडी के लिए 250 केजी का रोवर ले जाएगा ● यह चंद्रयान-3 से 10 गुना ज्यादा वजनी

बेंगलुरु (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके बाद भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना था। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। वे बेंगलुरु में इसरो चीफ का पदभार संभालने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने बताया- अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर

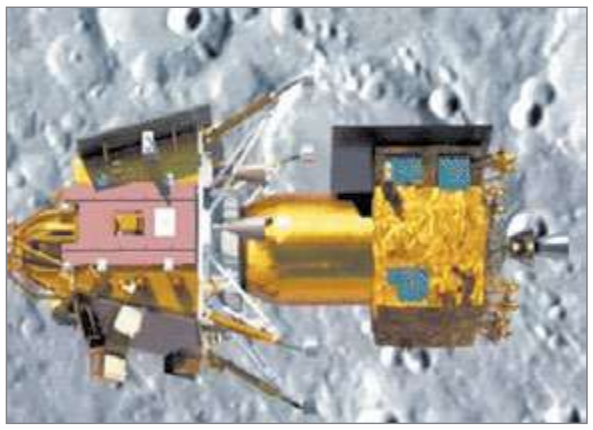

ले जाएगा।

आगे के प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है। इसरो ने 17 अगस्त 2023 को दोपहर 1:15 बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग किया था।

● सितंबर, 2024 में मिली थी चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी- कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है।

इस मिशन पर 2104 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रपल्शन मॉड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मॉड्यूल थे। चंद्रयान-4 के स्टैक 1 में लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए एसेंडर मॉड्यूल और सतह पर लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए डिसेंडर मॉड्यूल होगा।

'औरंगजेब से ज्यादा क्रूर परशुराम', एमपी कांग्रेस नेत्री की पोस्ट पर भूचाल

अब हाथ जोड़कर मांग रही माफी

जबलपुर (एजेंसी)। सोशल मीडिया में विवादित पोस्ट वायरल करने पर पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कांग्रेस

की पूर्व महिला नगर अध्यक्ष ने सोशल मीडिया में भगवान परशुराम की तुलना औरंगजेब से करते हुए पोस्ट वायरल की थी। जिसका हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया था।

पोस्ट में लिखा था- परशुराम जातिगत घृणा के प्रतीक

रविवार को फेसबुक पर कांग्रेस की पूर्व नगर अध्यक्ष रेखा विनोद जैन ने जो पोस्ट साझा किया, उसमें लिखा था- कथाकार मणिका मोहिनी ने एक महत्वपूर्ण बात याद दिलाई है। औरंगजेब ने अपने भाई का सिर काटकर अपने पिता को भेंट किया था, जबकि परशुराम ने अपनी माता का सिर काटकर खुद को भेंट किया था।

हिंदुत्व के ठेकेदार परशुराम के मंदिर तक बनवाते हैं- रेखा विनोद जैन ने पोस्ट में आगे लिखा कि औरंगजेब क्रूर था, कोई उसे आदर्श नहीं मानता। मुसलमान भी अपनी संतान का नाम औरंगजेब नहीं रखते।

चीतों की बढ़ती संख्या से, चंबल क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को मिलेगा प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

'गामिनी' और उसके चार शावकों को बाड़े से मुक्त किया

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन प्रदेश के चीता प्रोजेक्ट और वन्य जीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। श्योपुर स्थित राष्ट्रीय कूनो उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता 'गामिनी' और उसके चार शावकों को बाड़े से मुक्त कर राष्ट्रीय उद्यान में स्वछंद विचरण के लिए छोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैव विविधता की दृष्टि से, दक्षिण अफ्रीका से प्रदेश की धरती पर चीतों का पुनर्वास, देश ही नहीं अपितु एशिया महाद्वीप का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। इस इंटरकांटिनेंटल प्रोजेक्ट के लिए कूनो (श्योपुर) का चयन, प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। प्रदेश के वन विभाग के अमले की लगन और अथक परिश्रम से इस व्यापक परियोजना का सफल क्रियान्वयन संभव हो पाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है। इससे पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और चंबल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था समग्र रूप से सशक्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

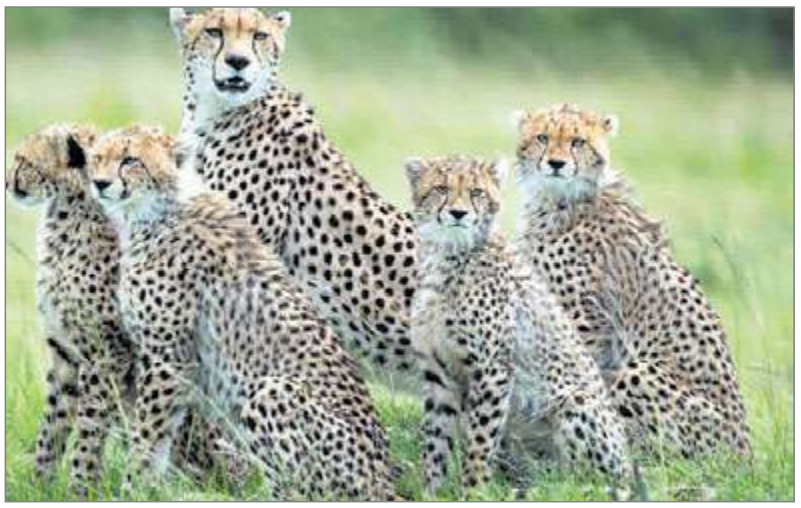

● **कूनो पार्क में अब स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं 17 चीते-** श्योपुर जिले के राष्ट्रीय कूनो उद्यान में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता 'गामनी' और उसके चार शावकों को सोमवार को बाड़े से सफलतापूर्वक कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल के खजूरी वन क्षेत्र में छोड़ा गया। खजूरी वन क्षेत्र अहेरा पर्यटन जोन का एक हिस्सा है। पर्यटन क्षेत्र में चीतों की उपस्थिति से पर्यटकों को चीता देखने का अवसर मिलेगा। इससे पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान संचालक सिंह परियोजना ने बताया है कि राष्ट्रीय कूनो उद्यान में चीता 'गामनी' और उसके चार शावकों को खुले जंगल में छोड़ने के बाद अब कूनों पार्क में 17 चीते जिसमें 11 शावक शामिल हैं जो स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं। अब बाढ़े में 9 चीते शेष हैं, इनमें 3 शावक शामिल है। इस प्रकार कूनो नेशनल पार्क में कुल 26 चीते है, जो सभी पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं।

वडोदरा हिट-एंड-रन मामला, 1 की मौत 7 घायल

आरोपी के हाथ में बोतल दिखी, दोस्त को कार चलाने से रोका, उसे हटाकर खुद ड्राइविंग सीट पर आया था

अहमदाबाद (एजेंसी)। वडोदरा हिट एंड रन केस से कुछ देर पहले का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है। इसमें मुख्य आरोपी रक्षित के हाथ में बोतल दिखाई दी है। वह अपने दोस्त के साथ उसके घर स्कूटी से आया था। सीसीटीवी से यह साफ हो रहा है कि रक्षित जिद करके कार की ड्राइविंग सीट पर गया था।

वडोदरा पुलिस ने भी यह बताया है कि रक्षित पहले कार की सीट पर नहीं था, लेकिन बाद में उसने कार के भीतर ही सीट शिफ्ट की और ड्राइविंग सीट पर आ गया था। 3 मार्च की रात वडोदरा के पॉश इलाके करेलीबाग में काले रंग की तेज रफ्तार फॉक्सवैगन वर्टस कार ने 3 गाड़ियों को टक्कर मारी थी। इस हिट एंड रन केस में एक महिला की मौत हुई थी और 7 अन्य घायल हो गए थे। कार को रक्षित चला रहा था और उसका दोस्त प्रांशु साथ में था। पुलिस ने रक्षित को गिरफ्तार कर लिया है और प्रांशु अभी फरार है। वडोदरा कार एक्सीडेंट से पहले आरोपी रक्षित और उसका दोस्त सुरेश स्कूटी पर थे। रक्षित स्कूटी चला रहा था और सुरेश पीछे बैठा था। दोनों रात करीब 10:30 बजे सुरेश के घर आए। यहां स्कूटी पार्क करने से पहले दोनों में बातचीत हुई। इसके बाद रक्षित सीढ़ियों से ऊपर गया। उसके हाथ में बोतल थी। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि उसमें क्या था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गर्मी में सार्वजनिक प्याऊ लगाने के दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गर्मी के मौसम को देखते हुए जिलों के कलेक्टर, नगरीय निकायों तथा पंचायतों को सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपयुक्त स्थलों पर छाया की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ने इस संबंध में जन प्रतिनिधियों से भी अपील की है। उन्होंने कहा कि जन सामान्य के लिए ग्रीष्म ऋतु में प्याऊ लगवाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। जल संरक्षण के साथ-साथ जल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को दिए संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों से जल गंगा अभियान के अंतर्गत बूंद- बूंद जल बचाने के लिए संचालित होने वाली गतिविधियों में सहभागिता करने का भी आव्हान किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में पेयजल प्रबंधों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

● सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे। भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रूम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। सुबह से जारी मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है उसके पास से एक असॉल्ट राइफल भी मिली है।

रायपुर में कॉन्स्टेबल ने एएसआई पर दागी 18 गोलियां, मौत

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के मुड़ीपार स्थित आईटीबीपी 38वीं बटालियन (भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल) कैंप में कॉन्स्टेबल ने इंसास राइफल से एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। एएसआई ने आरक्षक के सिर और सीने पर 18 गोलियां बरसाई हैं। पुलिस ने आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सुबह 9 बजे की है। मॉर्निंग परेड के दौरान एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया के डांटने से गुस्से में आकर आरक्षक सरोज कुमार ने फायरिंग की है। इसकी जानकारी मिलने पर खरोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आईटीबीपी की 38वीं बटालियन के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। आरोपी कॉन्स्टेबल सरोज कुमार (32) बिहार के बक्सर जिले का रहने वाला है। वहीं मृतक एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया (56) हरियाणा के रहने वाले थे। दोनों रायपुर के आईटीबीपी 38वीं बटालियन के कॉलोनी में ही रहते थे। आरोपी आरक्षक सरोज कुमार के 5 और 3 साल के दो बेटे हैं। आरोपी परिवार के साथ ही रहता था।